हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, गुरुवार 21 मई 2026

तापमान
अधिकतम 45.5 डिग्री
न्यूनतम 28.2 डिग्री

11 डाइट हुसैनपुर में जिला स्तरीय योगा ओलंपियाड कराया विद्यार्थियों ने किया योगकला का प्रदर्शन

12 भीषण गर्मी में पानी की किल्लत, सप्लाई में चल रही कटौती, बस स्टैंड पर टैंकर बने यात्रियों का सहारा

खबर संक्षेप

स्कॉर्पियो गाड़ी सहित चालक गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने सड़क हादसे के बाद फरार एक कार चालक को गिरफ्तार किया है। मॉडल टाउन थाना पुलिस ने गत 28 अप्रैल को गढ़ी बोलनी रोड पर हुए हादसे के बाद स्कॉर्पियो चालक के खिलाफ केस दर्ज किया था। चालक हादसे के बाद मौके से फरार होने में कामयाब हो गया था। इस हादसे में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया था। पुलिस ने जांच के बाद इस मामले में मनेठी निवासी पंकज को गिरफ्तार कर लिया। उसका वाहन भी पुलिस ने कब्जे में ले लिया। बाद में आरोपी को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

दहेज उत्पीड़न मामलों में एक गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने दहेज की मांग पर विवाहिता को परेशान करने और जान से मारने की धमकी देने के में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। महिला थाना पुलिस ने एक विवाहिता की शिकायत के बाद दोनों पक्षों के बीच बातचीत से समझौता कराने के प्रयास किए थे। समझौता नहीं होने के बाद ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ गत वर्ष 21 दिसंबर को दहेज उत्पीड़न का केस दर्ज किया था। इस मामले में पुलिस ने राजस्थान के कोटपुतली निवासी उमाशंकर को गिरफ्तार किया है। बाद में आरोपी को पुलिस बेल पर छोड़ दिया गया।

मारपीट मामले में पांच आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। सिटी पुलिस ने मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़ित पक्ष के बयान पर 29 अप्रैल को कई आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया था। पीड़ित ने मारपीट करने और धमकी देने के आरोप लगाए थे। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले राजस्थान के जरौली निवासी दिनेश, लेखराज, शेरपाल व आरती देवी को गिरफ्तार किया है। तफ्तीश में शामिल करने के बाद आरोपियों को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

हत्या का आरोपी प्रोडक्शन वारंट पर

रेवाड़ी। बावल थाना पुलिस ने हत्या के मामले में एक आरोपी को प्रोडक्शन वारंट पर लिया है। पुलिस ने खुर्मपुर गांव में 26 दिसंबर 2018 की रात एक युवक की हत्या करने के आरोप में गांव निवासी सोमबीर को गिरफ्तार किया था। उसने अपने दो अन्य साथियों के साथ मिलकर हत्या की वारदात कबूल की थी। आरोपी को सीआईए धारूहेड़ा ने देशी कट्टे के साथ गिरफ्तार किया था। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया था। अब आरोपी को कोर्ट से पूछताछ के लिए प्रोडक्शन वारंट पर लिया गया है।

हरिजन एक्ट के आरोपी भेजे गए जेल

कोसली। पुलिस ने जखाला में मारपीट करने और जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करने के मामले में महिला सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की शिकायत के आधार पर हरिजन एक्ट व अन्य धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। डीएसपी विद्यानंद ने मामले की जांच की थी। जांच के बाद पुलिस ने जखाला निवासी लव यादव और राजेश देवी को गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया।

लापता कर्मचारियों के मलबे में दबे होने की आशंका, एनडीआरएफ की टीम ने शुरू किया कॉम्बिंग ऑपरेशन, बढ़ सकती है लापता लोगों की संख्या

आग के बाद कई कर्मचारी लापता, एसी रूम से बाहर निकले डीसी-एसपी, एनआरडीएफ ने शुरू की तलाश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

बावल के सेक्टर-5 में जीएलएस स्पेशियलिटी केमिकल्स प्रा. लि. कंपनी में बीते मंगलवार को दोपहर के समय लगी आग रात भर रुक-रुककर सुलगती रही। करोड़ों रुपये की संपत्ति आग की भेंट चढ़ गई। 6 कर्मचारी आगजनी की चपेट में आकर झुलसकर घायल हो गए। डीसी और एसपी की नींद बड़ी आगजनी के लगभग 24 घंटे बाद उस समय टूटी, जब उन्हें तीन लापता कर्मचारियों के आगजनी की भेंट चढ़ने की आशंका के बारे में सूचना मिली। लापता कर्मचारियों के मलबे में फंसे होने की आशंका के बाद जिले के दोनों आला अधिकारी भारी गर्मी और लू के बीच एसी रूम छोड़कर कंपनी का जायजा लेने पहुंच गए। बठिंडा से एनडीआरएफ की टीम भी कंपनी परिसर पहुंच गई, जिसने सर्च कॉम्बिंग ऑपरेशन शुरू कर दिया। कंपनी में आग मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे लगी थी। आग इतनी भीषण थी कि इसकी लपटें रेवाड़ी शहर तक आसानी से देखी गईं। एसडीएम बावल संजीव कुमार और डीएसपी सुरेंद्र श्योराण आग लगने के चंद मिनट बाद ही मौके पर पहुंच गए थे। बावल और रेवाड़ी से फायर ब्रिगेड की गाड़ियां आग पर काबू पाने के लिए पहुंची, लेकिन आग भयावह रूप धारण कर चुकी थी। इसके बाद फरीदाबाद, पलवल, झज्जर, सोहना, पटौदी, नूंह और राजस्थान के नीमराणा से फायर ब्रिगेड की 35 गाड़ियां बुलाई गईं। रात को करीब 12 बजे आग पर काबू तो पा लिया गया, लेकिन केमिकल की आग बुधवार को दिन में भी बार-बार सुलगती रही। कंपनी के श्रमिकों ने आगजनी के तुरंत बाद भागकर बाहर निकलते हुए अपनी जान बचाई। इसके बावजूद 6 श्रमिक झुलसकर घायल हो गए। ज्यादा झुलसे चार श्रमिकों को गुरूग्राम भेजा गया। कंपनी में ड्यूटी आए तीन श्रमिकों के घर नहीं पहुंचने पर परिजन तलाश में कंपनी पहुंचे, लेकिन देर रात तक उन्हें उनके बारे में संतोषजनक जवाब नहीं मिला। कंपनी का एक हिस्सा आग से पूरी तरह जलकर नष्ट हो गया। एसडीआरएफ की टीम आगजनी के कुछ समय बाद ही मौके पर पहुंच गई थी, जबकि बुधवार को बठिंडा से एनडीआरएफ की टीम बुलाई गई।

रेवाड़ी। बावल केमिकल कंपनी में टीम को दिशा-निर्देश देते डीसी व एसपी।

रेवाड़ी। आगजनी की घटना के बाद कंपनी में मौजूद एनडीआरएफ टीम।

बढ़ सकती है लापता कर्मियों की संख्या

तीसरे लापता कर्मचारी के रूप भी एक शिकायत दर्ज कराने की चर्चा है। चूंकि कई कर्मचारी अप्रवासी हैं और किराए के मकानों में रह रहे हैं, इसलिए परिजनों तक उनके लापता होने की सूचना देरी से पहुंच सकती है। ऐसे में कंपनी के लापता कर्मचारियों की संख्या ज्यादा भी हो सकती है। लापता कर्मचारियों के आगजनी की भेंट चढ़ने की आशंका बनी हुई है। एनआरडीएफ के सर्च ऑपरेशन के बाद ही सही पता चल सकेगा।

सर्च कॉम्बिंग ऑपरेशन किया शुरू

कंपनी में आग लगने के बाद 6 कर्मचारियों के झुलसकर घायल होने की बात सामने आई थी। उन्हें अस्पतालों में दाखिल करा दिया गया। एनडीआरएफ की टीम को बठिंडा से बुलाया गया है। सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया है। टीम आग पर काबू पाने के प्रयास कर रही है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि कहीं कोई कर्मचारी आग में फंसकर जल तो नहीं गया है।

-अभिषेक मीणा, डीसी।

केस दर्ज करने के बाद कर रहे जांच

आग की सूचना मिलते ही पुलिस ने फायर ब्रिगेड से समन्वय स्थापित करते हुए आग पर काबू पाने के प्रयास किए। घायलों को अस्पताल पहुंचा दिया गया। अभी प्राथमिकता सर्च अभियान शुरू कराने की है। लापता लोगों के बारे में सूचना मिलते ही केस दर्ज करते हुए जांच कराई जा रही है। आगजनी के दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। -हेमेंद्र कुमार मीणा, एसपी।

लापता होने की सूचना से हड़कंप

रात को ही बिहार के शेखपुरा जिला के गांव केबलबीघा निवासी जितेंद्र कुमार ने पहले कंपनी और बाद में बावल पुलिस थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में बताया गया कि उसका भाई धर्मेंद्र सुबह 6 बजे की शिफ्ट में काम करने के लिए कंपनी गया था। शाम को वह बनीपुर में अपने किराए के मकान पर नहीं पहुंचा। उसने आशंका जताई की उसका भाई आग की चपेट में आकर जल चुका है। पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद धर्मेंद्र की तलाश शुरू कर दी।

प्रबंधन व प्रशासन ने साधे रखी चुप्पी

सबसे बड़ी बात यह है कि कंपनी प्रबंधन की ओर से अपने हाजिरी रजिस्टर से लापता कर्मचारियों के बारे में कोई सूचना सार्वजनिक नहीं की गई। मौके पर पहुंचे डीसी लापता कर्मचारियों के बारे में बताने की बजाय दावा करते रहे कि प्रशासन ने 6 कर्मचारियों को घायलावस्था में तुरंत अस्पताल पहुंचा दिया था। हकीकत यह है कि झुलसे कर्मचारियों को उनके साथियों ने ही अस्पताल तक पहुंचाया था। लापता कर्मचारियों की तलाश के लिए गंभीरता से तत्काल प्रयास शुरू ही नहीं किए गए।

दो परिवार और आए बुधवार को सामने

बुधवार को बिहार के सिंगथू निवासी सकिंद्र पासवान के परिजनों ने भी पुलिस थाने जाकर शिकायत दर्ज कराई कि सकिंद्र मंगलवार को जीएलएस कंपनी में काम पर गया था। इसके बाद वह शाम को घर नहीं लौटा। परिजनों को उसके भी आग की चपेट में आने की आशंका सता रही थी। पुलिस ने उसकी पत्नी शिकायत पर भी केस दर्ज करने के बाद आगामी कार्यवाही शुरू कर दी। एक अन्य कर्मचारी के परिजन भी दोपहर बाद पुलिस थाने पहुंच गए थे। उन्होंने भी पुलिस को शिकायत दर्ज करा दी।

सीहा स्कूल में 150 से अधिक विद्यार्थी पुरस्कृत, टॉपर्स को भेंट की साइकिलें

रेवाड़ी। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सीहा में युवा चेतना संगठन, ग्राम पंचायत तथा स्कूल प्रबंधन समिति की ओर से प्रतिभा प्रोत्साहन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें 150 से ज्यादा विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया तथा करीब चार दर्जन शिक्षकों, सामाजिक कार्यकर्ताओ व पंच-सरपंचों को भी सम्मानित किया गया। समाजसेवी मेजर टीसी राव के मुख्यातिथ्य में आयोजित समारोह की अध्यक्षता डीपीसी संतोष तंवर ने की तथा समाजसेवी डा. आनंदराज शर्मा मुख्य वक्ता थे। समारोह में एमिनेंट पर्सन विक्रम पांडे, बीईओ अशोक नांदल तथा सामाजिक कार्यकर्ता सतपाल चौहान बलवाड़ी ने विशिष्ट अतिथि तथा प्राचार्य सत्यवीर नाहड़िया ने स्वागताध्यक्ष की भूमिका निभाई। मेजर राव ने विद्यालय में सात कंप्यूटर सेट देने तथा गांव में ई-लाइब्रेरी खोलने की घोषणा की। इस अवसर पर नेवी से सेवानिवृत्त सामाजिक कार्यकर्ता अक्षय आर्य ने दसवीं कक्षा में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी पूनम, दीपिका तथा यक्षरा को उपहार स्वरूप साइकिलें भेंट की। विद्यालय की ओर से 10वीं तथा 12वीं में मेरिट हासिल करने वाले करीब चार दर्जन विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों, रोल प्ले व ग्रुप डांस विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। साथ ही युवा चेतना संगठन के प्रधान नरेश भारद्वाज, प्रदीप यादव, कप्तान हरपाल सिंह,यशपाल आर्य, कोच होशियार सिंह, संदीप कुमार, अक्षय आर्य, सरपंच अशोक कुमार, सरपंच सरिता यादव, विजय सिंह, नरेंद्र कुमार, बीरसिंह, अरविंद कुमार, अनिल कुमार, सोमवती, सुमन देवी, रेशमा व रमन का भी सम्मान किया गया। गणित प्राध्यापक सतपाल सिंह तथा विज्ञान अध्यापिका रेखा को सर्वश्रेष्ठ अध्यापक पुरस्कार से अलंकृत किया गया। हिंदी अध्यापक शक्ति सिंह का संयोजन व अध्यापिका मंजू शर्मा का प्रेरक गीत आकर्षण के केंद्र रहे। विद्यालय के पूर्व सचिव यशपाल आर्य ने सभी का आभार जताया। इस अवसर पर एबीआरसी अनुराधा चौहान, सेवानिवृत्त मुख्याध्यापक रामकुमार यादव, नाहर सिंह, अरुण वर्मा, सुभाष बिछवालिया, सूबेदार रामचंद्र व अजब सिंह सहित सभी शिक्षक उपस्थित थे।

भुज-दिल्ली प्रतिदिन एक्सप्रेस नई रेलसेवा का संचालन कल से

रेवाड़ी। रेलवे की ओर से यात्रियों की सुविधा के लिए भुज-दिल्ली-भुज प्रतिदिन नई रेलसेवा का संचालन किया जा रहा है। रेलसेवा का जालोर-दिल्ली के मध्य एक तरफा उद्घाटन स्पेशल रेलसेवा के रूप में संचालन किया जा रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जन सम्पर्क अधिकारी अमित सुदर्शन ने बताया कि गाड़ी संख्या 04875 जालोर-दिल्ली एक तरफा उद्घाटन स्पेशल रेलसेवा 22 मई को जालोर से शाम 4:30 बजे रवाना होकर अगले दिन जयपुर स्टेशन पर दोपहर 1:30 बजे आगमन व 1:40 बजे प्रस्थान कर 7:15 बजे दिल्ली पहुंचेगी। यह उद्घाटन स्पेशल रेलसेवा मोकलसर, समदडी, लूनी, पाली मारवाड, मारवाड जंक्शन, ब्यावर, अजमेर, किशनगढ, जयपुर, गांधीनगर जयपुर, बांदीकुई, अलवर व रेवाड़ी स्टेशनों पर ठहराव करेगी। रेलसेवा में 1 सैकेंड एसी, 3 थर्ड एसी, 8 द्वितीय शयनयान, 4 साधारण श्रेणी, 1 गार्ड व 1 पॉवरकार डिब्बा सहित कुल 18 डिब्बे होंगे।

पुलिस की मौजूदगी में बोहका में चली प्रशासन की जेसीबी

- एक कब्जाधारी ने प्रशासन से एक सप्ताह में खुद कब्जा हटाने के लिए समय मांगा, जिसके बाद उसे समय देते हुए कार्रवाई रोक दी गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेवाड़ी। गांव के पंचायती रास्ते से कब्जा हटवाते हुए जेसीबी मशीन। फोटो :हरिभूमि

बोहका गांव में पंचायती रास्ते पर किए गए कब्जे को पुलिस बल की मौजूदगी में हटवा दिया गया। पुलिस की मौजूदगी के कारण इस कार्रवाई का कोई विरोध नहीं हुआ। एक कब्जाधारी ने प्रशासन से एक सप्ताह में खुद कब्जा हटाने के लिए समय मांगा, जिसके बाद उसे समय देते हुए कार्रवाई रोक दी गई। गांव के कुछ लोगों ने पंचायती रास्ते पर कब्जे व अतिक्रमण किए हुए हैं। इसकी शिकायत प्रशासन को की गई थी। गली में पक्के निर्माण का मामला कोर्ट में चल रहा था। कोर्ट की ओर से प्रशासन को कब्जा हटवाने के आदेश दिए गए थे। बुधवार को पंचायती राज एसडीओ जितेंद्र की अगुवाई में प्रशासन की टीम जेसीबी मशीन के साथ पहुंची थी। थाना खोल से एएसआई विभुरंजन के नेतृत्व में पुलिस बल भी गांव पहुंच गया था। पहले जेसीबी मशीन से अतिक्रमण साफ कराया गया। इसके बाद पक्के निर्माण को तोड़ने की कार्रवाई की गई। सरपंच प्रतिनिधि अमित ने बताया कि कब्जाधारी ने ड्यूटी मजिस्ट्रेट के समक्ष एक सप्ताह का समय देने की गुहार लगाई, ताकि वह निर्माण खुद तोड़ सके। इसके बाद तोड़फोड़ की कार्रवाई को बीच में ही रोक दिया गया। पुलिस बल की मौजूदगी के चलते यह कार्रवाई पूरी तरह शांतिपूर्ण ढंग से चली।

सुबह से लेकर शाम तक भारी गर्मी का प्रकोप, माह के अंत तक राहत मिलने की संभावना नहीं

नरम नहीं पड़ रहे भारी गर्मी के तेवर, घरों से बाहर नहीं निकल रहे लोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेवाड़ी। स्कूल से छुट्टी के बाद दुपट्टे से बचाव करती घर जाती छात्राएं नाईवाली ओवरब्रिज से गुजरते हुए व बावल चौक पर गर्मी से बचाव के लिए गन्ने का रस पीते लोग।

आग बरसाने वाली गर्मी ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। सुबह से शाम तक लोगों का घरों से बाहर निकलना मुश्किल बना हुआ है। गर्मी अपने चरम की ओर बढ़ चुकी है। हीट स्ट्रोक का खतरा भी लगातार बढ़ रहा है। सुबह से लेकर शाम तक सड़कों से लेकर बाजार तक में सन्नाटा छाया रहता है। माह के अंत तक भारी गर्मी से राहत के आसार नजर नहीं आ रहे हैं। दो दिन से रात के तापमान में वृद्धि होने के बाद गर्मी सुबह से ही अपना रंग दिखाना शुरू कर देती है। सुबह 10 बजे के बाद गर्म हवाएं चलनी शुरू हो जाती हैं। दोपहर तक लू के थपेड़े लोगों को घरों में ही रहने को मजबूर कर देते हैं। दो दिन से तापमान काफी बढ़ा हुआ है, जिसमें जल्द कमी आने की संभावना नहीं है। बुधवार को अधिकतम तापमान एक बार फिर 45.5 डिग्री सेल्सियस पर स्थिर रहा। न्यूनतम तापमान 2.3 डिग्री की कमी के साथ 28.2 डिग्री पर आ गया। तापमान अभी सामान्य से 2 डिग्री से अधिक बना हुआ है। हवा में नमी कम होकर 16 प्रतिशत तक रह गई है। दिन के समय 14 से 18 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से गर्म हवाएं चलती रहीं। दिन और रात के तापमान अधिक बने रहने के कारण देर रात तक लू का प्रकोप बना रहता है। सुबह दिन निकलने के साथ ही गर्म हवाएं चलनी शुरू हो जाती है। दोपहर के समय लोग घरों से बाहर भी नहीं निकल पा रहे हैं। हीट स्ट्रोक का खतरा लगातार बना हुआ है। हालांकि अभी तक अस्पतालों में ऐसे मरीज आने शुरू नहीं हुए हैं, लेकिन तापमान इसी स्तर पर बना रहने की स्थिति में गर्मी के शिकार मरीजों की संख्या बढ़ने की पूरी आशंका है।

जून के शुरू में बदलाव की संभावना

मौसम विभाग के अनुसार इस माह के अंत तक मौसम इसी तरह का बना रह सकता है। तापमान में मामूली उतार-चढ़ाव बना रहेगा, लेकिन अभी लू के प्रकोप में कमी नहीं आएगी। जून माह के शुरू में ही मौसम में बदलाव आ सकता है। नौतपा के आखिरी दिनों में तापमान में गिरावट लू के प्रकोप से निजात दिला सकती है। बारिश की फिलहाल कोई संभावना नहीं है, जिस कारण लोगों को कुछ दिनों तक शुष्क मौसम और भारी गर्मी का सामना करना पड़ेगा।

शीतल पेय को छोड़कर दुकानें खाली

भारी गर्मी के कारण बाजार में इस समय नींबू की शिकंजी, गन्ने व बेलगिरी के जूस व अन्य शीतल की दुकानों पर ही ग्राहकों की भीड़ नजर आती है। अन्य दुकानदार दोपहर के समय अपनी दुकानों में आराम फरमाते हैं। बाजार दोपहर के समय पूरी तरह खाली हो जाते हैं। प्रमुख सरकुलर रोड पर भी वाहनों की संख्या काफी कम बनी रहती है। बिजली का लोड भी गर्मी के साथ बढ़ रहा है। मंगलवार को दैनिक खपत 95 लाख यूनिट तक पहुंच गई, जिसमें अभी और वृद्धि की संभावना है।

बढ़ते तापमान की वजह से कई ऐसे बैक्टीरिया, फंगस एक्टिव हो जाते हैं, जो फूड प्वॉइजनिंग की वजह बनते हैं। ऐसे में यह जानना बहुत जरूरी है कि इसके होने के क्या कारण हैं, इसके प्रमुख लक्षण क्या हैं और इससे बचने के क्या उपाय हो सकते हैं।

इस सीजन में बढ़ता है फूड प्वॉइजनिंग का रिस्क

प्रिकॉशन
डॉ. माजिद अलीम

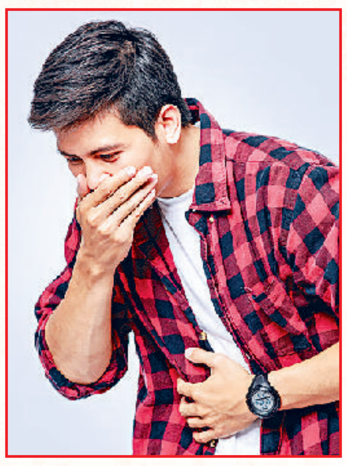

इन दिनों प्रचंड गर्मी पड़ रही है। मौसम के बदलते मिजाज ने अचानक फूड प्वॉइजनिंग की समस्या पिछले सालों के मुकाबले कहीं ज्यादा बढ़ा दी है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक इसका कारण यह है कि सुबह तेज धूप होती है, दोपहर में जबर्दस्त उमस और बीच-बीच में अचानक बारिश हो जाती है। जिस कारण खाने-पीने की चीजें जल्दी खराब हो रही हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि यह मौसम बैक्टीरिया और वायरस के पनपने का बेहद अनुकूल मौसम है। इसलिए इन गर्मियों में पिछले सालों के मुकाबले कहीं ज्यादा सावधानी से रहने की जरूरत है।

रोग के कारण: लोग अकसर सोचते हैं कि फूड प्वॉइजनिंग बाहर के खाने से होती है। सच यह है कि गर्मियों में घर का खाना भी जरा सी लापरवाही से संक्रमित हो जाता है। खासकर दूध, दही, कटे फल, चावल, मांसाहारी भोजन आदि। सड़क किनारे बिकने वाले खाद्य पदार्थ भी इस मौसम में बहुत जल्दी खराब होते हैं। वास्तव में गर्मी और नमी का मेल बैक्टीरिया के लिए आदर्श वातावरण तैयार करता है। ऐसे में यदि भोजन लंबे समय तक खुले में रखा रहा, तो उसमें संक्रमण होने की आशंका कई गुना बढ़ जाती है। इस मौसम में सबसे ज्यादा खतरा उन खाद्य पदार्थों को लेकर होता है, जो लंबे समय तक बाहर रखे रहते हैं, बार-बार गर्म किए जाते हैं, बाहर खुले में बिक रहे होते हैं और गंदे पानी से बनाए गए होते हैं। इन दिनों सड़क किनारे मिलने वाले चाट, कटे फल, ठंडे पेय में इस्तेमाल पानी आमतौर पर सही नहीं होता। इस कारण ये संक्रमण का स्रोत बन जाते हैं।

फूड प्वॉइजनिंग के लक्षण: जब भोजन या पानी में वायरस, फंगस या जहरीले पदार्थों से संक्रमित हो जाता है, तो उसके खाने के बाद कोई व्यक्ति बीमार पड़ जाता है, इसे फूड प्वॉइजनिंग कहते हैं। इसके सामान्य लक्षण हैं- उल्टी और मितली, दस्त, पेट दर्द और ऐंठन, बुखार, कमजोरी और चक्कर। कुछ मामलों में स्थिति इतनी बिगड़ जाती है कि मरीज को अस्पताल में भर्ती करना पड़ता है। फूड प्वॉइजनिंग यूं तो हर उम्र के लोगों को हो सकती है, लेकिन बच्चों और बुजुर्गों के लिए ये बहुत खतरनाक होती है।

सावधानी है जरूरी: फूड प्वॉइजनिंग केवल पेट खराब तक सीमित नहीं रहता बल्कि डिहाइड्रेशन, कमजोरी, ब्लड प्रेशर लो, किडनी पर असर, जैसी स्थितियां भी पैदा करता है। फूड प्वॉइजनिंग के चलते अगर मरीज को बार-बार उल्टी, दस्त हो रहे हों, मुंह सूख रहा हो या पेशाब कम आ रही हो, तो साफ संकेत है कि शरीर में पानी की खतरनाक कमी हो गई है। ऐसे में तुरंत ओआरएस, नीबू पानी, नारियल पानी और हल्का तरल भोजन दिया जाना चाहिए। लेकिन डॉक्टर की सलाह के बिना एंटीबायोटिक लेना खतरनाक हो सकता है। क्योंकि कई बार गलत दवा संक्रमण को और ज्यादा बढ़ा देती है। फूड प्वॉइजनिंग होने पर दही-चावल, खिचड़ी और केला जैसे भोजन सुरक्षित रहते हैं। इस दौरान मसालेदार, बाजारू और तले-भुने खाने से पूरी तरह से बचना चाहिए।

बचाव के उपाय: फूड प्वॉइजनिंग से बचने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखें।

- खाना हमेशा ढंककर रखें।
- बाजार से खरीदकर लाई गई सब्जियां और फल पहले अच्छी तरह धोएं, पोंछें तब फ्रिज में रखें।
- बासी भोजन बार-बार गर्म कर न खाएं।
- कटे फल देर तक खुले में न रखें।
- खाने से पहले हाथ अच्छी तरह धो लें।
- पीने के लिए साफ, उबला या फिल्टर पानी इस्तेमाल करें।
- उल्टी, दस्त शुरू होते ही शरीर में पानी की कमी न होने दें। *

डॉक्टर्स एडवाइस
डॉ. आकाश शाह
यूरो ऑन्कोलॉजिस्ट-रोबोटिक सर्जन
कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल, मुंबई

हाल के वर्षों में मूत्राशय कैंसर (ब्लैडर कैंसर या यूरिनरी ब्लैडर कैंसर) के मामले दुनिया भर में बढ़ रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार यूरिनरी ब्लैडर कैंसर, दुनिया भर में नौवां सबसे आम कैंसर है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार 2022 में दुनिया भर में ब्लैडर कैंसर के 6 लाख से अधिक नए मामले सामने आए थे और इनमें से 2 लाख से अधिक मौतें हुईं थीं।

क्या है यह कैंसर

जब मूत्राशय (पेशाब की थैली) की कोशिकाओं के डीएनए में उत्परिवर्तन (म्यूटेशन) होता है, तब वे अनियंत्रित होकर बढ़ने लगती हैं और ट्यूमर बनाती हैं। इस स्थिति को यूरिनरी ब्लैडर का कैंसर कहा जाता है। यूरिनरी ब्लैडर (मूत्राशय या पेशाब की थैली) पेट के निचले हिस्से में स्थित एक लचीला और गुब्बारे के आकार जैसा अंग है। इसका मुख्य कार्य किडनी से आए मूत्र को शरीर से बाहर निकलने से पहले अस्थाई रूप से जमा (स्टोर) करना है। कैंसर आमतौर पर यूरिनरी ब्लैडर की अंदरूनी परत में शुरू होता है। हालांकि कैंसर शब्द डरावना है, लेकिन सच यह है कि अगर जल्दी पता चल जाए, तो ब्लैडर कैंसर का सफलतापूर्वक इलाज किया जा सकता है।

धूम्रपान एक प्रमुख कारण

यूरिनरी ब्लैडर (मूत्राशय या पेशाब की थैली) कैंसर का मुख्य कारण धूम्रपान है, जिसके कारण लगभग 50 प्रतिशत मामले सामने आते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि तंबाकू के हानिकारक रसायन (जिन्हें कार्सिनोजेन कहा जाता है) खून में मिलकर और फिर किडनी द्वारा फिल्टर होकर यूरिन के रास्ते ब्लैडर में जमा हो जाते हैं। यह स्थिति ब्लैडर की परत को नुकसान पहुंचाती है।

अधिकांश लोगों की यह धारणा है, तंबाकू युक्त धूम्रपान से उत्सर्जित होने वाले रसायनों से केवल मुंह या फेफड़े के ही कैंसर होने का जोखिम होता है, जो सही भी है। इस धारणा का दूसरा पहलू भी है। वह यह कि जब हम धूम्रपान करते हैं, तब तंबाकू में मौजूद कैंसर पैदा करने वाले रसायन (कार्सिनोजेन) रक्त में घुल जाते हैं और फिर पेशाब के माध्यम से मूत्राशय में एकत्र हो जाते हैं। इसके परिणामस्वरूप मूत्राशय की परत में जलन और सूजन होती है, जिससे मूत्राशय का कैंसर विकसित होने का जोखिम बढ़ जाता है।

ये भी हो सकते हैं कारण

स्मोकिंग करने के अलावा ब्लैडर कैंसर होने के कुछ अन्य कारण भी हो सकते हैं।

- 55-60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में ब्लैडर कैंसर के मामले कहीं ज्यादा सामने आते हैं। उम्र बढ़ने के साथ इस कैंसर का खतरा बढ़ता है। पुरुषों में महिलाओं की तुलना में ब्लैडर कैंसर होने की संभावना अधिक होती है।
- पेशाब की थैली यूरिनरी ब्लैडर में बार-बार संक्रमण होना भी कैंसर की वजह बन सकता है, जिसे मेडिकल भाषा में यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन कहते हैं।
- औद्योगिक रसायनों का एक्सपोजर यानी केमिकल एक्सपोजर भी कुछ मामलों में ब्लैडर कैंसर का कारण बन सकता है। उदाहरण के तौर पर रबर, चमड़ा, डाई, कपड़ा और पेंट उद्योगों में काम करने वाले लोग ऐसे माहौल में काम करते हैं, जहां नुकसानदेह रसायन मौजूद होते हैं। ऐसे रसायनों के संपर्क में आने से इस कैंसर के होने का खतरा अधिक बढ़ जाता है।
- ब्लैडर में पथरी या संक्रमण भी कैंसर होने का रिस्क बढ़ा सकते हैं।

स्पेशल: वर्ल्ड ब्लैडर कैंसर अवेयरनेस मंथ (मई)

मुख्य रूप से स्मोकिंग करने और कई अन्य वजहों से ओल्ड एज में यूरिनरी ब्लैडर कैंसर होने का रिस्क बढ़ जाता है। हर साल लाखों लोग इसकी चपेट में आते हैं। इससे बचने के लिए जरूरी है कि हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाने के साथ इसके रिस्क फैक्टर्स से खुद को बचाया जाए। साथ ही ब्लैडर कैंसर के शुरुआती लक्षणों को भी इग्नोर न किया जाए। इस बारे में और भी डिटेल में जानिए।

ब्लैडर कैंसर न करें लक्षणों को इग्नोर

इन लक्षणों को न करें इग्नोर

ब्लैडर कैंसर बीमारी के ज्यादा फैलने से पहले इसके लक्षणों को पहचानना जरूरी है।

यूरिन म खून आना: यूरिन गुलाबी, लाल या गहरे रंग का दिख सकता है। बहुत से लोग इस लक्षण को नजरअंदाज कर देते हैं। खासकर अगर दर्द न हो, तो यह मानकर कि यह समस्या किसी मामूली इंफेक्शन से संबंधित है। हालांकि यूरिन में खून का एक बार भी आना कभी भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। इसकी डॉक्टर से जांच करवानी चाहिए।

बार-बार पेशाब आना: सामान्य से ज्यादा जल्दी-जल्दी वाशरूम जाने की जरूरत पड़ना, जिसे अकसर सिर्फ बहुत ज्यादा पानी पीने के नाम पर नजरअंदाज कर दिया जाता है।

अचानक पेशाब आने की इच्छा: अचानक से बहुत ज्यादा पेशाब करने की जरूरत, जिसे अकसर ओवर एक्टिव ब्लैडर समझ लिया जाता है।

यूरिन में जलन: पेशाब करते समय दर्द, जिसे अकसर एक आम यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन (यूटीआई) समझ लिया जाता है।

हालांकि उपरोक्त लक्षण यूरिन से जुड़ी समस्या का संकेत देते हैं और कई मरीजों में आम हैं, ये अपने आप में कैंसर के पक्के संकेत नहीं हैं। इनके लिए मेडिकल जांच की जरूरत होती है।

डायग्नोसिस के तरीके

अगर किसी व्यक्ति को ये लक्षण महसूस होते हैं, तो घबराएं नहीं। इसके लिए यूरो-ऑन्कोलॉजिस्ट शायद एक रुटीन यूरिन टेस्ट (यूरिन साइटोलॉजी), यूरिन कल्चर, अल्ट्रासाउंड और अगर जरूरत हो तो सीटी स्कैन टेस्ट करवा सकते हैं। अगर जरूरी हुआ तो विशेषज्ञ डॉक्टर एक सिस्टोस्कोपी करवा सकते हैं, जो एक ऐसा प्रोसीजर है, जिसमें एक सूक्ष्म कैमरा ब्लैडर में डाला जाता है- जिससे क्लीयर डायग्नोसिस हो जाता है।

ब्लैडर कैंसर का इलाज

ब्लैडर कैंसर के उपचार की प्रक्रिया डायग्नोसिस के बाद उसके स्टेज पर निर्भर करती है। शुरुआती स्टेज के कैंसर का इलाज अकसर एंडोस्कोपिक सर्जरी से किया जा सकता है। एडवांस्ड स्टेज के लिए इलाज में कीमोथेरेपी के साथ-साथ यूरिनरी ब्लैडर के ट्यूमर की सर्जरी भी शामिल हो सकती है।

सर्जरी से पहले ट्यूमर को छोटा करने या बाद में बचे हुए कैंसर कोशिकाओं को नष्ट करने के लिए कीमोथेरेपी की जाती है।

यदि सर्जरी संभव नहीं है या कैंसर फैल चुका है, तो कैंसर कोशिकाओं को नष्ट करने के लिए रेडिएशन थेरेपी का सहारा लिया जा सकता है। *

प्रस्तुति: विवेक शुक्ला

बचाव के उपाय

यूरिनरी ब्लैडर कैंसर से बचाव का सबसे जरूरी कदम है अतिशीघ्र धूम्रपान से छुटकारा पाना। शरीर से नुकसानदेह विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने के लिए लगातार हाइड्रेट रहें। अगर आप इंडस्ट्रियल केमिकल्स का इस्तेमाल करते हैं तो वर्कप्लेस प्रोटेक्शन का ध्यान रखें। रेग्युलर हेल्थ चेक-अप बहुत जरूरी हैं, खासकर उन लोगों के लिए जिनमें रिस्क फैक्टर हैं। लक्षणों के सामने आने पर डॉक्टर के पास जाने में देरी न करें।

याद रखें यूरिन में एक बार भी खून आना एक मेडिकल इमरजेंसी है। इसके दोबारा होने का इंतजार न करें। तुरंत किसी यूरो-ऑन्कोलॉजिस्ट से मिलें। किसी भी कैंसर का सफल इलाज करने का तरीका है कि उसका जल्दी पता चल जाए और ट्रीटमेंट शुरू कर दिया जाए।

अवेयरनेस
डॉ. मोहसिन वली
सीनियर फिजिशियन
सर गंगा राम अस्पताल, दिल्ली

कोरोना वायरस संक्रमण की महामारी के लगभग पांच साल बाद हंता वायरस संक्रमण से जुड़ी एक खबर ने दुनिया को चिंतित कर दिया है। ऐसे में घबराने के बजाय इस वायरस से संबंधित पूरी जानकारी लेना और सावधानी बरतना जरूरी है। इस बारे में डिटेल में जानिए।

बहुत संक्रामक है हंता वायरस

हाल ही में एमवी हॉन्डियस क्रूजशिप पर हंता वायरस के मल्टीकाउंटर आउटब्रेक की खबर सुर्खियों में है, जिसमें कई लोग संक्रमित हुए और कुछ मौतें भी हुईं। इसने पूरी दुनिया की स्वास्थ्य एजेंसियों को अलर्ट कर दिया है। वैज्ञानिकों को शक है कि इसमें हंता वायरस का नया एंडीज स्ट्रेन शामिल हो सकता है, क्योंकि कुछ मामलों में मानव-से-मानव ट्रांसमिशन की संभावना है। डब्ल्यूएचओ, सीडीसी और कई देशों की स्वास्थ्य एजेंसियां इसकी निगरानी कर रही हैं। कई देशों में यात्रियों की ट्रेसिंग और आइसोलेशन प्रक्रिया जारी है।

कैसा है वायरस: हंता वायरस आर्बो वायरस फैमिली की कैटेगरी में आने वाला जूनोटिक वायरस है, जो मूलतः चूहों और रोडेंट्स से इंसानों में फैलता है। लेकिन हंता वायरस का एक वैरिएंट है, एंडीज स्ट्रेन जो ज्यादा खतरनाक है। इसमें संक्रमण चूहों से नहीं, बल्कि चूहों के मल, मूत्र या स्लाइवा से संक्रमित हुए व्यक्ति के करीबी संपर्क में आने पर दूसरे व्यक्ति को भी हो सकता है। इसकी मृत्यु दर लगभग 40 प्रतिशत है। मेडिकल साइंस की मानें तो हंता वायरस खास किस्म के चूहे, डीआर रैट्स में होते है। यानी ये संक्रमित चूहे हंता वायरस कैरियर होते हैं और वायरस उनके शरीर में मल्टीप्लाई होता रहता है। संक्रमित चूहे अपने मल, मूत्र और स्लाइवा के जरिए हंता वायरस को लगातार अपने शरीर से बाहर निकालते रहते हैं। यह मल, मूत्र जमीन या वस्तुओं की सतह पर सूख जाता है। जब कोई व्यक्ति उस जगह की साफ-सफाई करता है। झाड़ू लगाता है, वैक्यूम करता है या झाड़-पोंछ करता है। तो सतह पर सूखे हंता वायरस के छोटे-छोटे कण धूल के साथ हवा में घुल-मिल जाते हैं। उस हवा में सांस लेने पर हंता वायरस के कण अनजाने में उस व्यक्ति के शरीर में पहुंच जाते हैं और कुछ समय बाद व्यक्ति को संक्रमित कर देते हैं। इस प्रक्रिया को एरोसोलाइजेशन कहते हैं।

कैसे फैलता है संक्रमण: एरोसोलाइजेशन प्रक्रिया से। संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में रहने पर। खांसने-छींकने के साथ बाहर निकले ड्रॉपलेट के संपर्क में आने पर। खाने-पीने की संक्रमित चीजों के सेवन से। संक्रमित वस्तुओं या सतह के संपर्क में आने और बिना हाथ धोए, गलती से आंख, नाक या मुंह छूने पर। चूहे के मरने के बाद बाहर निकले वायरस के संपर्क में आने पर।

संक्रमण के लक्षण: हंता वायरस का इंक्यूबेशन पीरियड काफी लंबा है। यानी व्यक्ति के शरीर में वायरस पहुंचने के 3-4 सप्ताह बाद संक्रमण के लक्षण दिखाई देते हैं। शुरुआती लक्षण सामान्य फ्लू जैसे होते हैं। बुखार, मांसपेशियों में दर्द, सिर दर्द, थकान, मितली और ठंड लगना। लेकिन समुचित उपचार न मिलने पर मरीज की हालत गंभीर हो जाती है। हंता वायरस फेफड़ों और किडनी पर अटैक करता है। हंता वायरस पल्मोनरी सिंड्रोम (एचपीएस) में वायरस रेस्पेरेटरी ट्रेक से होता हुआ फेफड़ों की ब्लड वैसल्स पर अटैक करता है। फेफड़ों में पानी भरने लगता है, जिससे सांस लेना बेहद मुश्किल हो जाता है। वेंटिलेटर सपोर्ट न मिलने पर व्यक्ति की मौत हो सकती है। हंता वायरस रीनल सिंड्रोम (एचएफआरएस) में किडनी संक्रमित हो जाती है। मरीज को हेमरेजिक बुखार आता है, किडनी में अचानक ब्लीडिंग होने लगती है, पेशाब में खून आने लगता है। कई बार किडनी फेलियर हो जाने पर रोगी की मौत भी हो सकती है।

रहें सतर्क: तेज बुखार, अत्यधिक थकान, घबराहट, सांस लेने में तकलीफ, छाती में भारीपन या चेस्ट कंजंक्शन, सांस लेने में दिक्कत महसूस हो रही हो तो डॉक्टर को जरूर कंसल्ट करें।

कैसे होता है इलाज: फिलहाल इसका कोई विशेष उपचार नहीं है लेकिन समय पर अस्पताल में भर्ती होने से जीवित बचने की संभावना काफी बढ़ जाती है। इलाज मुख्य रूप से सपोर्टिव केयर पर आधारित है जैसे-ऑक्सीजन सपोर्ट, आईसीयू केयर, हाइड्रेशन, ब्रीदिंग सपोर्ट। मरीज के ब्लड में प्लेटलेट्स कम हो जाते हैं। ऑक्सीजन दिया जाता है, वेंटिलेटर पर रखा जाता है। प्लेटलेट्स ट्रांसफ्यूज किया जाता है।

बचाव है जरूरी: हंता वायरस के संक्रमण से बचाव के लिए सबसे महत्वपूर्ण है, चूहों से दूरी रखना। चूहों की एंट्री घर में न होने पाए। खाने-पीने का सामान खुला न छोड़ें। एयर-टाइट डिब्बों में पैक करें। फल-सब्जियां पानी में अच्छी तरह धोकर इस्तेमाल करें। कोल्ड ड्रिंक कैन लें। उनके ऊपरी हिस्से को अच्छी तरह धो लें। संभव हो तो गिलास में पिएं। रात के वक्त किचन में बचा हुआ खाना या फिर पालतू जानवरों का खाना बिल्कुल खुला न छोड़ें। कूड़ेदान का ढक्कन कसकर बंद रखें ताकि चूहों के आने की आशंका न हो।

ज्यादा गंदगी या चूहों के मल-मूत्र की संदिग्ध जगह की सफाई के लिए झाड़ू या वैक्यूम क्लीनर के बजाय डिसइंफेक्टेंटयुक्त गीला पोंछा लगाएं। जहां तक हो सके, सफाई के दौरान सुरक्षा उपकरणों का उपयोग करें जैसे- रबर के दस्ताने, अच्छी क्वालिटी का मास्क पहनें। साफ-सफाई के बाद, खाना बनाने या खाने से पहले, भीड़ भरी जगह से आने के बाद साबुन से हाथ अच्छी तरह धोएं। घर के आस-पास की साफ-सफाई का भी ध्यान रखें। हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाएं। इम्यूनिटी मजबूत बनाने के लिए रोजाना घर का बना ताजा, पोषक आहार का सेवन करें, हाइड्रेशन का ध्यान रखें, भरपूर नींद (6-7 घंटे) और रेग्युलर एक्सरसाइज (कम से कम 30 मिनट) करें। *

प्रस्तुति: रजनी अरोड़ा

डायग्नोसिस के तरीके

हंता वायरस से संक्रमण होने की आशंका होने पर मरीज का डायग्नोसिस जल्द से जल्द किया जाना जरूरी है। इसके लिए पीसीआर टेस्ट से संक्रमण की पुष्टि की जा सकती है। इसमें रोगी के ब्लड और यूरिन का टेस्ट किया जाता है।

सजेशन
मधु सिंह

आज के दौर में अनिद्रा और अच्छी नींद न आने से काफी लोग परेशान रहते हैं। इसके लिए अपनी लाइफस्टाइल और डाइट प्लान में बदलाव के साथ कुछ आसान तरीके भी कारगर हो सकते हैं। हाथ-पैरों को गर्म रखना भी उनमें से एक तरीका है।

अच्छी नींद के लिए हाथ-पैरों को रखें गर्म

अनेक स्थितियों में पैरों का ठंडा हो जाना बेचैनी, परेशानी और असहजता का कारण बन जाता है और इसमें वह स्थिति भी शामिल है, जब हम सोने के लिए अपने बिस्तर में जाते हैं। दरअसल, हमारे शरीर का तापमान हमारी नींद के चक्र को प्रभावित करता है।

ताप से प्रभावित होती है नींद

ऑस्टिन की यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास में बायोमेडिकल इंजीनियरिंग के प्रोफेसर केनेथ डिलर के अनुसार, 'आपका शरीर उस समय सबसे अच्छा काम करता है, जब उसका केंद्रीय हिस्सा ठंडा होता है और सिरों या किनारों का हिस्सा गर्म रहता है।' दशकों के शोध से मालूम हुआ है कि जिन लोगों के हाथ व पैर गर्म रहते हैं, वे जल्दी और आराम से सो जाते हैं, उन लोगों की तुलना में जिनके शरीर के ये अंग ठंडे रहते हैं।

सोने का ताप से संबंध

जब आप सोने के लिए तैयारी कर रहे होते हैं तो आपके शरीर को कूल डाउन करने की जरूरत होती है, यह संकेत देने के लिए कि आराम करने का समय हो गया है। दिलचस्प यह है कि ऐसा करने के लिए हाथों व पैरों को गर्म करने से मदद मिलती है क्योंकि आपका शरीर इनका प्रयोग गर्मी-निकालने (हीट-रिलीज) के क्षेत्र के रूप में करता है। डिलर के अनुसार, जब आपके हाथ व पैर गर्म होते हैं तो त्वचा की ओर रक्त संचार आसानी से होने लगता है, जिससे आपके शरीर के केंद्र से अतिरिक्त गर्मी बाहर निकल जाती है। जब आपके शरीर के केंद्रीय हिस्से का तापमान कम हो जाता है तो आपके दिमाग को संदेश मिलता है कि सोने का समय हो गया है। लेकिन अगर आपके हाथ व पैर ठंडे रहते हैं तो वह गर्मी (हीट) बाहर नहीं निकल पाती, जिससे नींद का आना कठिन हो जाता है। डिलर कहते हैं, 'हाथों व पैरों को गर्म करने से आपका शरीर प्रभावी ढंग से सोने की अवस्था में आ जाता है, वर्ना आप बेचैनी में ही करवटें बदलते रहते हैं, इससे नींद का आना कठिन हो जाता है।'

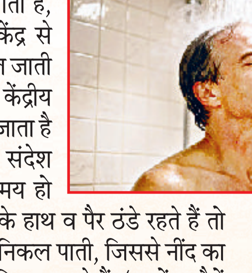

हाथ-पैरों को गर्म करने के तरीके

बिस्तर में जाने से पहले हाथों व पैरों को अनेक तरहों से गर्म किया जा सकता है। इनमें से सबसे सरल है-गर्म पानी से स्नान या शावर कर लिया जाए। डिलर आमतौर से शाम को वर्कआउट करते हैं और फिर शावर लेते हैं। अंत में वह तापमान को बढ़ा देते हैं, जो शुरू में थोड़ा सा अधिक महसूस होता है, लेकिन फिर आपको उसकी आदत पड़ जाती है। लेकिन तापमान को 111 डिग्री फॉरेनहाईट से अधिक न बढ़ाएं क्योंकि इससे ऊपर के तापमान पर आपका शरीर जल सकता है। हॉट शावर में जब त्वचा लाल होने लगती है तो यह वास्तव में संकेत है कि रक्त हाथों व पैरों की विशिष्ट वेसल्स में पहुंच रहा है, जो गर्मी को बाहर निकालने के लिए अच्छी तरह से खुल जाती हैं। हीटिंग पैड्स का इस्तेमाल भी किया जा सकता है, लेकिन सोने से पहले उन्हें निकाल देना चाहिए। इसके अलावा आप अपना एक हाथ अपने तकिए के नीचे रख सकते हैं। कुछ देर के लिए इस अवस्था में रहने से तकिए में धंसा हुआ आपका सर्वाइकल स्पाइन का क्षेत्र गर्म होता रहेगा, जो शरीर के तापमान को नियंत्रित करने में मदद करता है। ऐसा करने से कुछ ही देर में हाथ व पैर गर्म हो जाएंगे। इसके अलावा अपने पसंदीदा मोजे पहनकर भी पैर के तापमान को गर्म किया जा सकता है। बहरहाल, आप तरीका चाहे जो अपनाएं, आपका लक्ष्य नींद में शरीर की सबसे बड़ी बाधा को दूर करना होना चाहिए। ठंडे हाथ व पैर नर्वस सिस्टम को सतर्क रखते हैं, गर्माहट उसे आराम करने के लिए प्रेरित करती है। *

खबर संक्षेप

ट्रेन की चपेट में आए युवक की मौत

रेवाड़ी। रेवाड़ी-अलवर रेलमार्ग पर मंगलवार को रेलवे स्टेशन बावल के यार्ड के पास ट्रेन की चपेट में आने से घायल 26 वर्षीय युवक की पीजीआई रोहतक में ईलाज के दौरान मौत हो गई। युवक की अभी तक शिनाख्त नहीं हो पाई है। जजीआरपी एएसआई बिक्रम सिंह ने बताया कि मृतक ने शर्ट बोटल ग्रेग्रीन रंग, नीली जींस पैंट व तिरंगा नायलॉन बेल्ट पहनी है। मृतक के शव को शिनाख्त के लिए पीजीआई रोहतक मोर्चरी में रखवाया गया है।

गढ़ी में फांसी लगाकर व्यक्ति ने दी जान

कोसली। कोसली क्षेत्र के गांव गढ़ी में मंगलवार शाम 50 वर्षीय व्यक्ति ने घर में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों ने उसे फंदे पर लटके देख पुलिस को सूचना दी। सूचना के बाद नाहड़ चौकी पुलिस मौके पर पहुंची तथा मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए कोसली उपमंडल अस्पताल पहुंचाया। परिजनों के अनुसार मृतक सुरेंद्र शराब पीने का आदी था व मानसिक रूप से परेशान रहता था। पुलिस ने बुधवार मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है।

भीषण गर्मी के चलते स्कूलों का समय बदला

रेवाड़ी। डीसी अभिषेक मीणा ने भीषण गर्मी के चलते जिले के सभी सरकारी व गैर सरकारी विद्यालयों का समय आगामी आदेशों तक प्रातः 7 बजे से 12 बजे तक निश्चित किया है। डीसी ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को इन आदेशों की दृढ़ता से पालना सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए है।

ग्रीष्मकालीन शिविर का शुभारंभ एक जून से

रेवाड़ी। मॉडल टाउन स्थित बाल भवन में एक जून से 4 वर्ष से 18 वर्ष तक के बच्चों के लिए ग्रीष्मकालीन शिविर का शुभारंभ किया जाएगा। जिला बाल कल्याण अधिकारी वीरेंद्र यादव ने बताया कि ग्रीष्मकालीन शिविर में बच्चों को डांस, म्यूजिक, आर्ट एवं क्राफ्ट आदि गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। कक्षाओं का समय प्रतिदिन शाम 4 बजे से 6 बजे तक रहेगा। उन्होंने कहा कि शिविर का उद्देश्य बच्चों की रचनात्मक प्रतिभा को निखारना एवं गर्मी की छुट्टियों का सदुपयोग करना है।

स्वच्छता जागरूकता अभियान 27 तक चलाया जाएगा

रेवाड़ी। एडीसी एवं सीईओ जिला परिषद राहुल मोदी ने बताया कि जिले में स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत स्वच्छता को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से ग्रामीण क्षेत्र में 21 से 27 मई 2026 तक सात दिवसीय स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। एडीसी ने बताया कि अभियान के तहत ग्राम पंचायतों में ग्राम सभाएं आयोजित कर ग्रामीणों को जागरूक किया जाएगा। इसके अलावा घर-घर जाकर ग्रामीणों को स्वच्छता अपनाने के लिए जागरूक किया जाएगा।

जन जागरूकता अभियानः टीमों ने 95 उपभोक्ताओं का किया निरीक्षण, आठ अवैध कनेक्शन काटे

पेयजल से बाड़ी की सिंचाई करने वालों के बिना नोटिस के कनेक्शन काटने के आदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग व जल एवं स्वच्छता सहायक संगठन की ओर से पेयजल की बर्बादी रोकने के लिए चलाए जा रहे जन जागरूकता अभियान के तहत बुधवार को सभी तीन टीमों ने ग्रामीण क्षेत्रों का निरीक्षण किया। टीमों ने सिहमा खंड के मेई, कनीना खंड के खैराना तथा निजामपुर खंड के रामबास गांव का दौरा किया। जानकारी देते हुए जिला सलाहकार मंगतु राम सरसवा ने बताया कि टीमों की ओर से 95 उपभोक्ताओं के पेयजल कनेक्शनों की जांच की गई, जिनमें होटल, रेस्टोरेंट, पार्क तथा घरेलू उपभोक्ता शामिल थे। निरीक्षण के दौरान 33 पेयजल कनेक्शनों पर टोंटियां नहीं लगी मिलीं, जिनमें से आठ उपभोक्ताओं ने मौके पर ही अपने नलों पर टोंटी लगा ली। शेष उपभोक्ताओं को एक दिन का समय दिया गया है। यदि निर्धारित समय में टोंटी नहीं लगाई गई, तो पेयजल की बर्बादी करने के आरोप में उनके कनेक्शन काटे जा सकते हैं। मेई गांव में आठ उपभोक्ता अवैध कनेक्शन लेते हुए पाए गए, जो व्यर्थ में पानी बहा रहे थे। विभागीय टीम ने उनके कनेक्शन मौके पर ही काट दिए। कुछ उपभोक्ताओं ने मैन पाइप लाइन से अवैध कनेक्शन लेकर सिंचाई कार्य किया हुआ था। ऐसे कनेक्शनों को जेसीबी मशीन बुलाकर नवीन कुमार व धर्मेंद्र की अगुवाई में हटाया गया। खैराना गांव में अवैध कनेक्शन को चिन्हित किया जा रहा है, जिन्हें पंचायत व विभाग कि देखरेख में काटा जाएगा। जिला सलाहकार मंगतुराम सरसवा ने कहा कि उपायुक्त अनुपमा अंजलि के आदेशानुसार जिले में अवैध कनेक्शन लेने वाले तथा पानी की बर्बादी करने वाले उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटे जा रहे हैं, ताकि गर्मी के मौसम में पेयजल का सदुपयोग सुनिश्चित किया जा सके तथा जल की बर्बादी रोकी जा सके।

नारनौल। ग्राम पंचायत मेई में अवैध कनेक्शन काटती विभागीय टीम। फोटो : हरिभूमि

जून माह में अभियान होगा तेज सभी उपभोक्ता रहें सतर्क

कार्यकारी अभियंता प्रदीप कुमार ने कहा कि मई व जून माह में अत्यधिक गर्मी के कारण सभी जीवों को अन्य महीनों की तुलना में अधिक पेयजल की आवश्यकता होती है। विभाग का प्रयास है कि कोई भी उपभोक्ता पीने के पानी से वंचित न रहे। इसी उद्देश्य से विभाग की ओर से टीमों का गठन कर पेयजल की बर्बादी करने वालों पर कार्रवाई की जा रही है। कार्यकारी अभियंता ने कहा कि जो उपभोक्ता पेयजल से खेतीबाड़ी की सिंचाई करते पाए जाएंगे, उनके कनेक्शन बिना किसी नोटिस के काट दिए जाएंगे। इसके लिए सभी एसडीओ को मौखिक निर्देश जारी किए गए हैं। उन्होंने सभी उपभोक्ताओं से पेयजल संरक्षण अभियान में सहयोग करने तथा अपने बकाया जल बिलों का शीघ्र भुगतान करने की अपील की।

सभी लोग पीने के पानी की बर्बादी रोकें

उन्होंने कहा कि जल के बिना जीवन संभव नहीं है, इसलिए सभी लोग पीने के पानी की बर्बादी रोकें। सभी ग्राम पंचायतें भी ग्राम जल एवं सीवरेज समितियों के माध्यम से अपने स्तर पर जल संरक्षण अभियान चलाएं, ताकि हर घर तक समान मात्रा में पेयजल पहुंच सके। इस दौरान बीआरसी धर्मेंद्र, नवीन कुमार, मोहित कुमार, अशोक कुमार, सरपंच रतिराम, फिटर वीरेंद्र, विजय सिंह, फिटर हेल्पर मोनू, सुनील, अशोक कुमार सहित पंच व ग्रामीण उपस्थित रहे।

नागरिको ने की विजिलेंस जांच की मांग

रेवाड़ी-बीकानेर रेलवे लाइन पर कनीना में बनाए जा रहे आरओबी में बड़ा घालमेल

बनने से पहले ही दरकने लगी दीवारें, ठेकेदार व अधिकारियों पर मिलीभगत का आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कनीना

रेवाड़ी बीकानेर रेलवे लाइन पर कनीना रेलवे स्टेशन के समीप फाटक नंबर 87 पर 2023 से बनाए जा रहे रेलवे ओवरब्रिज चालू होने से पूर्व ही विवादों में घिर गया है। जनता को जाम से मुक्ति दिलाने के लिए करोड़ों रुपये की लागत से बनाए जा रहे आरओबी की रिटेनिंग वॉल और सर्विस रोड के बीच में किए जा रहे नाले निर्माण में घटिया सामग्री के इस्तेमाल का गंभीर मामला सामने आया है।

निर्माण कार्य पूरा होने से पहले ही दीवारों और नाले में दरारें पड़नी शुरू हो गई हैं, जिससे परियोजना की मजबूती पर बड़े सवालिया निशान खड़े हो गए हैं। स्थानीय निवासियों सुरेश कुमार, सुधीर कुमार, राहुल कुमार, हर्ष कुमार, ईश्वर सिंह, दिनेश कुमार, प्रकाशचंद, मनीष कुमार सहित राहगीरों ने लोक निर्माण विभाग के एक्सईएन, एसडीओ व जेई पर ठेकेदार से मिलीभगत के आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि साईट पर जेई की उपस्थिति में ही कार्य किया जाना होता है, लेकिन कागजों में उनकी उपस्थिति दिखाकर रिकार्ड पूरा कर दिया जाता है। धरातल पर सच्चाई नहीं होती।

इसके निर्माण में निम्न स्तर के क्रेसर, रोड़ी, सीमेंट व स्टील का इस्तेमाल किया जा रहा है। उनका आरोप है कि ठेकेदार की ओर से कंक्रीट व सीमेंट के निर्धारित मानकों को ताक पर रखकर बेहद निम्न गुणवत्ता वाले मटेरियल का प्रयोग किया जा रहा है, जो अधिकारियों और ठेकेदार की आपसी मिलीभगत तथा बड़े भ्रष्टाचार की ओर इशारा करता है। नागरिकों ने चेतावनी दी है कि यदि इस घटिया निर्माण को तुरंत रोककर इसकी उच्च स्तरीय, विजिलेंस जांच कराई जाए। मौजिज लोगों ने जिला प्रशासन व मुख्यमंत्री से मांग की है कि इस पूरे प्रोजेक्ट के मटेरियल की लैब टेस्टिंग कराने तथा दोषी ठेकेदार व लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

कनीना। बनाए जा रहे पुलिया में दिखाई दे रही दरार व सर्विस रोड के बीच में खुदाई किए गए हैवी ड्यूटी डेन।

कमी मिलने पर कराया जाएगा दोबारा से निर्माणः जेई

इस बारे में लोक निर्माण विभाग के जेई नवल कुमार ने बताया कि पिछले सप्ताह भर से छुट्टी पर था, रिटेनिंग वाल व नाला निर्माण में कोई कमी मिलती है, तो उसकी जांच कर पुनः निर्माण करवा दिया जाएगा।

उच्च तापमान से आई दरारों को रिमूव कर दिया जाएगा

इस बारे में आरओबी का निर्माण कर रही एटी कन्टेक्सन कम्पनी के जेई अभिमन्यू पूनिया ने बताया कि उनकी ओर से हैवी ड्यूटी डेन का निर्माण कार्य किया जा रहा है, अत्यधिक तापमान होने से उसमें कुछ दरारे दिखाई दे रही हैं, रिटेनिंग वाल को सेट करते समय कमोबेश क्रैक हुई है, उसे रिमूव कर दिया गया है। उनकी ओर से लोकनिर्माण विभाग के जेई की उपस्थिति में मानकों के अनुरूप कार्य कराया जा रहा है।

आठ माह का समय हुआ एक्स्टेंड

अभिमन्यू पूनिया ने बताया कि आरओबी का निर्माण कार्य अब तक पूरा हो जाना चाहिए था, लेकिन पेड़ों के कटाई की अनुमति न मिलने के चलते आठ माह का समय और बढ़ाया गया है। अगस्त माह तक इसका कार्य पूरा होने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि अटेली की साईड 342 मीटर तथा कनीना की साईड 417 मीटर लंबे तथा 11 मीटर चौड़े पुलिया का निर्माण किया जा रहा है। इसके साथ ही साढ़े तीन मीटर मीटर चौड़ा सर्विस रोड बनाया जाएगा। जिसके नीचे करीब डेढ़ मीटर गहरा नाला बनाया जाएगा।

सिहमा कॉलेज में स्नातक प्रथम वर्ष के दाखिले शुरू, 31 मई अंतिम तिथि

मंडी अटेली। महंत खेतानाथ राजकीय महाविद्यालय। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडी अटेली

महंत खेतानाथ राजकीय महाविद्यालय सिहमा में स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। महाविद्यालय प्रशासन ने विद्यार्थियों से समय रहते आवेदन कर अपना दाखिला सुनिश्चित करने की अपील की है। महाविद्यालय में बीए प्रथम वर्ष में 160 सीटें तथा बीकॉम प्रथम वर्ष में 80 सीटें निर्धारित की गई हैं। महाविद्यालय में विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ साथ कौशल आधारित प्रशिक्षण और आधुनिक शिक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं, जिससे उनके सर्वांगीण विकास को बढ़ावा मिलता है। विद्यार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए महाविद्यालय परिसर में ही एडमिशन फॉर्म भरने की निःशुल्क व्यवस्था की गई है, ताकि ग्रामीण व दूरदराज क्षेत्रों से आने वाले छात्रों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

अधिक से अधिक संख्या में प्रवेश लेने का आह्वान

महाविद्यालय प्रशासन के अनुसार प्रवेश की अंतिम तिथि 31 मई निर्धारित की गई है। इच्छुक विद्यार्थी समय रहते आवेदन कर अपना प्रवेश सुनिश्चित करें। प्राचार्य डॉ. सुनील कुमार ने कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धात्मक दौर में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और कौशल विकास अत्यंत आवश्यक है। महाविद्यालय विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास और रोजगारपरक शिक्षा के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने विद्यार्थियों व अभिभावकों से अधिक से अधिक संख्या में प्रवेश लेने का आह्वान किया।

बैंक कर्मी की बाइक चोरी का आरोपी काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

थाना मॉडल टाउन पुलिस ने गत 22 अप्रैल को आईसीआईसीआई बैंक की ब्रास मार्केट शाखा के बाहर खड़ी बैंक कर्मचारी की बाइक चोरी करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान उससे बाइक चोरी की 11 अन्य वारदातों को भी अंजाम देने का खुलासा हुआ है। आरोपी को रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है। राजस्थान के सीकर जिले के गांव करजो निवासी नीरज कुमार ने गत 22 अप्रैल को मॉडल टाउन थाना पुलिस को दर्ज शिकायत में बताया था कि वह ब्रास मार्केट में आईसीआईसीआई बैंक शाखा में नौकरी करता है। सुबह के समय वह घर से बाइक लेकर बैंक शाखा आया था। उसने अपनी बाइक बैंक के बाहर खड़ी की थी। दोपहर के समय जब वह बैंक से बाहर आया तो उसे बाइक नहीं मिली। आसपास पूछताछ करने के बाद भी बाइक का कोई पता नहीं चला। पुलिस ने उसकी शिकायत पर चोरी का केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू की थी।

काबू किए जाने के बाद हुआ खुलासा

पुलिस ने बाइक चोरी के मामले की जांच करते हुए पाडला निवासी हेमंत को चोरी की बाइक के साथ गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी से पूछताछ की, तो उसने 11 बाइक चोरी की वारदातों को अंजाम देने की बात स्वीकार की। इनमें से 8 बाइक मॉडल टाउन थाना क्षेत्र व 1 सिटी थाना क्षेत्र से चोरी हुई थी। डीएसपी सुरेंद्र श्योराण के मुताबिक आरोपी को पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया गया है। रिमांड के दौरान उससे चोरी की शेष बाइकें बरामद करने के प्रयास किए जाएंगे।

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में बाइक चोरी का आरोपी। फोटो : हरिभूमि

पैसे की तंगी दूर करने को बना चोर

डीएसपी ने बताया कि हेमंत आईटीआई पास करने के बाद रोजगार की तलाश कर रहा था। आर्थिक तंगी के चलते उसने पहले एक बाइक चोरी की। इसके बाद उसने एक के बाद एक बाइक चोरी की 12 वारदातों को अंजाम दिया। उसे 14 मई को चेकिंग के दौरान चोरी की बाइक के साथ गिरफ्तार किया गया था। आरोपी के कब्जे से 9 बाइक बरामद हो चुकी हैं। अन्य बाइक बरामद करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

मान्यता के दस्तावेज जांचने विवादित स्कूल में पहुंची विभागीय टीम

- समय से पहले छुट्टी करके निकल गया संचालक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नांगल चौधरी

निजामपुर रोड पर संचालित एक निजी स्कूल की मान्यता संबंधी दस्तावेज जांचने के लिए बीईओ विकास जयदीप के नेतृत्व में विभागीय टीम स्कूल में पहुंची, लेकिन तब तक स्कूल की छुट्टी हो चुकी थी और संचालक कहीं निकल चुका था। बीईओ ने संचालक से मोबाइल पर संपर्क करके उपस्थित होकर पक्ष रखने की हिदायत दी, लेकिन उन्होंने असमर्थता जताते हुए इंकार कर दिया। इसके बाद टीम ने चेकिंग शेड्यूल दोबारा बनाने की कहकर रवाना हो गई। जानकारी के मुताबिक नांगल चौधरी निवासी अनिता देवी ने बच्चे का दाखिला उक्त निजी स्कूल में कराया था। विभिन्न कारणों के चलते स्कूल प्रबंधन की पढ़ाई व्यवस्था से संतुष्ट नहीं हुई तथा बच्चे का दूसरी संस्था में दाखिला कराने का निर्णय लिया। इसके लिए स्कूल संचालक ने पुराने स्कूल से रिलीज एसएलसी जमा कराने के लिए कहा। एसएलसी के आधार पर बच्चे का विभागीय पोर्टल पर पंजीकरण संभव हो पाएगा, लेकिन स्कूल संचालक ने फीस पेंडिंग होने का तर्क देकर एसएलसी देने से इंकार कर दिया।

नांगल चौधरी। मान्यता के दस्तावेज जांचने पहुंची विभागीय कमेटी व पुलिस बल।

कार्यक्रम छात्रा वर्ग कक्षा 6 से 8 में एसडी हाई स्कूल खुशपुरा से छवि ने प्रथम स्थान प्राप्त किया

डाइट हुसैनपुर में जिला स्तरीय योगा ओलंपियाड कराया, विद्यार्थियों ने किया योगकला का प्रदर्शन

- कार्यक्रम की अध्यक्षता डाइट प्राचार्य व जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी प्रदीप कुमार ने की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

एससीईआरटी के तत्वावधान में डाइट हुसैनपुर में योगा ओलंपियाड का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डाइट प्राचार्य व जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी प्रदीप कुमार दहिया ने की। डीआरयू विंग प्रभारी डा. सरोज यादव की देखरेख में आयोजित प्रतियोगिता में जिले के सभी खंडों से पहुंचे विद्यार्थियों ने योगासनों की विभिन्न कलाओं का प्रदर्शन किया। इस मौके पर डीईईओ दहिया ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं बच्चों को मानसिक एवं शारीरिक रूप से स्वस्थ रखने के साथ उनकी एकाग्रता बढ़ाने में मदद करती है, जिससे वे शिक्षा पर बेहतर तरीके से ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। कार्यक्रम में मंच संचालन प्राध्यापक हरिश चंद ने किया। निर्णायक मंडल की भूमिका भूपेन्द्र यादव एईओ, परमजीत डीपीई खंडोड़ा, ईंदु डीपीई बोड़िया कमालपुर व जयप्रकाश पीटीआई बलवाड़ी ने निभाई। कार्यक्रम के आयोजन में वरिष्ठ प्राध्यापक डा. बीर सिंह, डा. विजय सिंह, डा. मंजुलता, डा. रामफल, डा. संगीता, रविन्द्र प्रकाश, बबीता, इंद्र, विवेक व मयंक ने सहयोग दिया।

रेवाड़ी। प्रतियोगिता के विजेता अतिथि व शिक्षकों के साथ। फोटो : हरिभूमि

ये रहे प्रतियोगिताओं के परिणाम

छात्रा वर्ग कक्षा 6 से 8 में एसडी हाई स्कूल खुशपुरा से छवि ने प्रथम, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पानी से कोमद्दी ने द्वितीय व राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल बीकानेर से पूजा ने तृतीय स्थान प्राप्त केया। कक्षा 9 से 10 में पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बोड़िया कमालपुर से पूर्वा भारद्वाज ने प्रथम, द्वितीय, राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल बीकानेर से गुंजन ने द्वितीय व रावमावि नांगल शहबाजपुर से खुशी ने तृतीय स्थान हासिल किया। छात्र वर्ग कक्षा 6 से 8 में राजकीय उच्च विद्यालय सुठानी से हर्ष ने पहला, राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल जाटूसाना से मनोम्य ने दूसरा व राजकीय उच्च विद्यालय टींट से अंश ने तीसरा स्थान पाया। कक्षा 9 से 10 में राजकीय उच्च विद्यालय सुठानी से मनीष ने प्रथम, रावमावि मायण से अजय ने द्वितीय और राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल जाटूसाना से बलजीत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

फायरिंग की सूचना मिलने से हड़कंप, फॉरेंसिक टीम ने लिए खून के सैंपल

महेंद्रगढ़। गांव छाजियावास में बीती रात फायरिंग की सूचना मिलने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना मिली कि गांव छाजियावास की बणी में कुछ व्यक्तियों ने एक व्यक्ति को गोली मार दी और उसे गाड़ी में डालकर फरार हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और इलाके में नाकाबंदी कर जांच शुरू कर दी। मौके से खून के निशान मिलने के बाद पुलिस ने आसपास के क्षेत्र की गहन तलाशी ली। घटना बीती रात करीब एक बजकर पंद्रह मिनट की बताई जा रही है। ग्रामीणों ने कंट्रोल रूम पर फोन कर सूचना दी कि एक सफेद रंग की गाड़ी गांव खैरौली की तरफ से छाजियावास की ओर आई और गांव से करीब सौ से डेढ़ सौ मीटर पहले रुक गई। इसी दौरान गोली चलने जैसी आवाज सुनाई दी और किसी व्यक्ति को गाड़ी में डालने जैसी गतिविधि दिखाई दी। करीब दो से तीन मिनट बाद वहीं गाड़ी वापस गांव खैरौली की तरफ चली गई। इसके बाद गांव के सरपंच नरेंद्र सिंह ने डायल 112 पर सूचना दी।

महेंद्रगढ़। गांव बवाना से जांट सड़क का कार्य चलता हुआ। फोटो : हरिभूमि

10.79 करोड़ से सुधरेगी गांव से गांव को जोड़ने वाली 16 सड़कों की हालत

महेंद्रगढ़। महेंद्रगढ़ एवं सतनाली क्षेत्र की गांव से गांव को जोड़ने वाली 16 सड़कों को नए सिरे से बनाया जाएगा। विकास एवं निगरानी समिति सदस्य संदीप मालड़ा ने बताया कि महेंद्रगढ़ एवं सतनाली क्षेत्र की गांव से गांव को जोड़ने वाली 16 सड़कों को नए सिरे से बनाए जाने का कार्य शुरू हो गया है। इन सड़कों के पुनर्निर्माण पर लगभग 10.79 करोड़ की लागत आएगी। ये सभी सड़कें जर्जर हो चुकी थी तथा इनपर आवागमन में किसानों के साथ-साथ आमजन को भी भारी असुविधा हो रही थी। इन सड़कों से किसान अपनी फसल लाया ले जायी का काम करते हैं तथा मंडियों तक अपनी फसल को लाने के लिए भी इन सड़कों का प्रयोग करते हैं। संदीप मालड़ा ने बताया कि इन सड़कों की कुल लंबाई लगभग 58 किलोमीटर है तथा इनके पुनर्निर्माण से लगभग तीन दर्जन गांवों के लगभग एक लाख किसान एवं आमजन को सुविधा होगी। केंद्र एवं हरियाणा सरकार का ध्येय है कि गांवों में शहरों की ही तर्ज पर अच्छी सड़कों का नेटवर्क हो, जिससे किसान एवं आमजन को बेहतर सुविधा मिल सके। सरकार किसान के कल्याण के लिए कार्य कर रही है तथा किसान को हर प्रकार की सुविधा देने की दिशा में काम किया जा रहा है। महेंद्रगढ़ में नई अनाज मंडी का निर्माण भी जल्द ही होगा।

न्यूज डायरी

राजकीय विद्यालय कोसली में प्रवेश उत्सव मनाया

कोसली। शहीद फ्लाइट लेफ्टिनेंट आकाश यादव राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कोसली में बुधवार को मिशन बुनियाद कार्यक्रम के तहत प्रवेश उत्सव का आयोजन किया गया, जिसके अंतर्गत विद्यालय की 9वीं कक्षा में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों का स्वागत किया। प्राचार्य दयानंद भारद्वाज ने बताया कि विद्यालय में कोसली उपमंडल के विभिन्न गांवों के 12 विद्यार्थियों ने सुपर-100 की परीक्षा पास कर 9वीं कक्षा में प्रवेश लिया है। इस अवसर पर बुनियाद कोआर्डिनेटर अमित कुमार, एचकेआरएन काआर्डिनेटर प्रियंका, किरण, चन्द्रप्रकाश नरेश कुमार, बिजेन्द्र सिंह व करण सिंह सहित सभी स्टाफ सदस्य व अभिभावक मौजूद थे।

बीईओ ने राजपुरा ईस्तमुरार स्कूल का किया निरीक्षण

खोरी। बुधवार को खंड शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार ने राजकीय माध्यमिक विद्यालय राजपुरा ईस्तमुरार में विद्यार्थियों की शैक्षणिक गतिविधियों का निरीक्षण किया तथा मिड-डेमील की गुणवत्ता की भी जांच की। इस मौके पर बीईओं ने स्कूल स्टाफ सदस्यों की मीटिंग लेकर शैक्षणिक गतिविधियों पर चर्चा भी की। उन्होंने विद्यालय की स्वच्छता, अनुशासन व शिक्षा की सराहना की। इस अवसर पर एसएमसी के शिक्षाविद पूर्व मुख्य अध्यापक रामपाल ने विद्यालय की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर मुख्य अध्यापिका संतोष कुमारी सहित समस्त स्टाफ सदस्य मौजूद थे।

गुड़ियानी आश्रम में महामाया कामाख्या के 108 कुंडीय हवन का समापन

कोसली। क्षेत्र के गांव गुड़ियानी स्थित श्री मंजेश नाथ महाराज उर्फ मस्तनाथ के आश्रम में महामाया कामाख्या जी के 108 कुंडीय यज्ञ का बुधवार को श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ समापन हो गया। इस अवसर पर भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें दूर-दराज से पहुंचे श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर आयोजित रागनी प्रतियोगिता में विकास पसौरिया एंड पार्टी ने शानदार प्रस्तुति देकर सभी का मनोरंजन किया। कार्यक्रम में सिविल अस्पताल की ओर से रक्तदान कैंप भी लगाया गया, जिसमें युवाओं ने 50 यूनिट रक्त डोनेट किया। इस अवसर पर मंजेश नाथ महाराज, लाड़लानाथ, मायानाथ, नरेंद्र सरपंच, नवीन शर्मा, पवन सोनी, अमित यादव, राजकुमार दूबे, सुभाष राजौरा, सुरेंद्र बदहवाल, मोनू राजौरा, बब्लू भगोरिया व अशोक चौहान सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

सीजेएम ने वृद्धाश्रम का किया निरीक्षण बुजुर्गों को बेहतर सुविधाएं देने के निर्देश

रेवाड़ी। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी कम सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण डा. रेनू सोलखे ने वृद्ध आश्रम का निरीक्षण किया। इस मौके पर सीजेएम डा. सोलखे ने वृद्धजनों की जरूरी सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने वृद्धजनों को मिलने वाले भोजन व अन्य सुविधाओं की जांच की और कर्मचारियों को बेहतर से बेहतर सुविधाएं देने के निर्देश दिए। इस दौरान डॉ. सोलखे ने वृद्ध महिलाओं को मिलने वाली सुविधाओं का भी जायजा लिया तथा साफ सफाई पर ध्यान देने के निर्देश दिए। इस मौके पर सीजेएम ने कहा कि वृद्ध व्यक्ति शारीरिक और मानसिक रूप से तो कमजोर होता ही है तथा उसकी सबसे बड़ी पीड़ा उसका अकेलापन होती है, इसलिए वृद्धजनों को समाज से अलग थलग न करें, बल्कि उनको समाज का हिस्सा माने तथा उनको अहसास दिलाए की हम सब उनके साथ है।

गवर्नमेंट स्कूल बगथला में मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

बावल। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बगथला में बुधवार को प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या मंजू बाई ने की। प्राचार्य ने बताया कि स्कूल का एचबीएसई दसवीं व बारहवीं को परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट रहा। स्कूल में दसवीं कक्षा में 40 में से 26 बच्चों ने मेरिट हासिल की, जबकि बारहवीं में 91 विद्यार्थियों में से 29 ने मेधा सूची में स्थान बनाया। दसवीं में छात्रा ईशु, सरिता व विवेक ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किए, वही बारहवीं में तन्नू, सिमरन व सपना 91 प्रतिशत अंक लेकर स्कूल में अव्वल रही। प्राचार्य व शिक्षकों ने सभी मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया। इस मौके पर गांव की सरपंच अंजू यादव, पूर्व सरपंच बलबीर सिंह, सुखराम, रामकिशन, विजय व स्टाफ सचिव डा. नूतन सहित सभी स्टाफ सदस्य, विद्यार्थी व ग्रामीण मौजूद थे।

आईजीयू के चार विद्यार्थियों ने ग्रेजुएट फामेर्सी एप्टीट्यूड टेस्ट में पाई सफलता

मीरपुर। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय के फार्मास्यूटिकल साइंसेज विभाग के चार विद्यार्थियों ने ग्रेजुएट फामेर्सी एप्टीट्यूड टेस्ट-2026 में सफलता प्राप्त की है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर असीम मिगलानी ने रैंक धारक सुधांशु 10402, दीक्षा 8023, विकास 1811 और अंकित 9822 को बधाई देते हुए सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की निरंतर सफलता के लिए शिक्षक निरंतर प्रयासरत रहते हैं। फामेर्सी स्नातकों के लिए यह सबसे महत्वपूर्ण प्रतिस्पर्धा है। इससे मास्टर्स ऑफ फामेर्सी में छात्रवृत्ति प्राप्त कर सकते हैं। अधिष्ठाता शैक्षणिक मामले एवं विभागाध्यक्ष प्रोफेसर सुनील कुमार सहित विभाग के अन्य संकाय सदस्यों ने भी विद्यार्थियों को सफलता के लिए शुभकामनाएं दी।

शहरवासियों को 9 दिन से कटौती करके दिया जा रहा पानी

भीषण गर्मी में पानी की किल्लत, सप्लाई में चल रही कटौती, बस स्टैंड पर टैंकर बने यात्रियों का सहारा

रेवाड़ी। बुधवार को बस स्टैंड पर मंगवाया गया पानी का टैंकर, टैंकर से टंकी में पानी भरते कर्मचारी तथा कालाका वाटर वर्क्स के पास स्थित नहर। फोटो : हरिभूमि

28 मई को जेएलएन नहर में पानी आने की संभावना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

भीषण गर्मी के मौसम में जेएलएएन नहर में पानी नहीं आने पर शहर के लोगों को एक-एक बूंद पानी के लिए तरसना पड़ रहा है। शहवासियों को पानी की पूर्ति करने के लिए पानी के टैंकर व कैंपर खरीदने पड़ रहे है। यहां तक की वर्तमान में पानी किल्लत होने पर सरकारी विभाग पर पानी के टैंकर मंगवाकर पूर्ति कर रहे है। पानी की सप्लाई में कटौती के चलते बस स्टैंड परिसर में भी टैंकर मंगवाकर टंकियों को भरा जा रहा है। टैंकर से यात्रियों के लिए पीने के पानी की टंकी व कर्मचारियों के कूलर भरे जा रहे है। शहर में पिछले 9 दिन से लोगों को एक दिन छोड़कर एक दिन राशनिंग करके पानी की सप्लाई दी जा रही है। जनस्वास्थ्य विभाग के अनुसार आगामी 28 मई को नहर में पानी आने की पूरी संभावना है, जिसके बाद पेयजल आपूर्ति सुचारू हो पाएगी।

12 मई से कटौती से मिल रहा पानी

शहर के दो वाटर वर्क्स में वाटर टैंकों की स्टोरेज क्षमता कम होने के कारण शहरवासियों को पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है। सर्दी हो या गर्मी शहर में पानी की किल्लत बनी रहती है। जेएलएन नहर में पानी बंद आना बंद होने के दो दिन बाद से ही विभाग की ओर से शहर में पानी सप्लाई में कटौती शुरू कर दी जाती है। शहर की बढ़ती आबादी के साथ वर्तमान में भीषण गर्मी में भी लोगों को पर्याप्त पानी नसीब नहीं हो रहा है। नहर में पानी आने का शेड्यूल गड़बड़ा गया है। वर्तमान में 16 दिन नहर में पानी आता है और 24 दिन बंद रहता है। जनस्वास्थ्य विभाग की ओर से 12 मई से शहरवासियों को राशनिंग करके पानी दिया जा है। नहर के नहीं आने से वाटर टैंकों में पानी का स्तर कम होता जा रहा है। विभाग के अनुसार 28 मई को खूबडू हेड से नहर में पानी आने की संभावना है।

नए वाटर वर्क्स की जल्द जरूरत

जनस्वास्थ्य विभाग के पानी स्टोर करने के लिए टैंकों की भारी कमी है। कालाका वाटर वर्क्स में पांच और लिसाना में तीन वाटर टैंक हैं। दोनों वाटर वर्क्स प्लांटों की क्षमता को देखते हुए शहर में पानी की डिमांड पूरी करना आसान नहीं है। इसके लिए जल्द ही नए वाटर वर्क्स की आवश्यकता है। कालाका वाटा वर्क्स के पांच टैंकों की क्षमता 950 गैलन पानी स्टोरज की है, जबकि लिसाना के दो वाटर टैंकों की क्षमता 340 गैलन व एक नए वाटर टैंक की पानी स्टोरेज क्षमता 32 करोड़ 640 लाख लीटर है। शहर में प्रतिदिन करीब 280 लाख लीटर पानी की खपत होती है। कालाका वाटर वर्क्स से 225 लाख लीटर व लिसाना से 54 लाख लीटर पानी की प्रतिदिन आपूर्ति की जाती है।

शेड्यूल के अनुसार नहर नहीं आई तो समस्या हो सकती है

खूबडू हेड से जेएलएन नहर में 28 मई तक पानी आने की संभावना है। अगर शेड्यूल के अनुसार नहर नहीं आई तो समस्या हो सकती है। नहर आने के बाद शहरवासियों को नियमित पानी की आपूर्ति की जाएगी।

-सुनील कुमार, कनिष्ठ अभियंता, जनस्वास्थ्य विभाग।

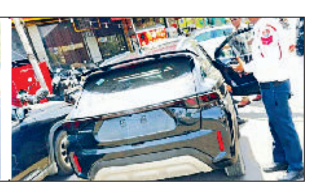

ट्रैफिक नियम तोड़ने वाले 104 वाहन चालकों के किए चालान

रेवाड़ी। जिला पुलिस की ओर से 18 मई से 24 मई तक ट्रैफिक नियमों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत बीते दो दिनों में पुलिस ने ट्रैफिक नियमों की अनदेखी करने, बिना नंबर प्लेट वाहन चलाने और अवैध रूप से सरकारी पदनाम लिखकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की। चेकिंग के दौरान 104 वाहन चालकों के चालान किए गए। डीएसपी ट्रैफिक पवन कुमार ने बताया कि चेकिंग के दौरान कई निजी वाहनों पर हरियाणा सरकारद्व लिखा हुआ पाया गया। उन्होंने कहा कि पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट तथा हरियाणा सरकार के स्पष्ट दिशा-निर्देशों के अनुसार किसी भी निजी वाहन पर हरियाणा सरकार, कोर्ट, पुलिस, प्रेस, आर्मी अथवा अन्य सरकारी पदनाम लिखना पूरी तरह गैर-कानूनी है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार केवल उन्हीं वाहनों पर लिखा जा सकता है,जो आधिकारिक रूप से राज्य सरकार के स्वामित्व में हों। निजी वाहनों पर इस प्रकार के बोर्ड, स्टीगर या पदनाम लिखना कानूनी उल्लंघन माना जाता है।

शहर से कवर करके ले जाने लगे कचरा वाहन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

नगर परिषद की सख्ती के बाद एजेंसी की आदत में कुछ सुधार आया है। एजेंसी की ओर से कचरा वाहनों को ग्रीन कपड़े से कवर करके ले जाना शुरम कर दिया है। नगर परिषद की ओर से शहर में कचरा कलेक्शन का ठेका लेने वाली एजेंसी की ओर से लंबे समय से गाड़ियों में कचरे को बिना ढके डंपिंग यार्ड तक पहुंचाया जा रहा था, जिससे कचरा सड़क पर फैलने के साथ उठती दुर्गंध के कारण लोगों के स्वास्थ्य पर असर पड़ रहा था। नियमों के आधार पर कचरे को ग्रीन कपड़े से कवर करना जरूरी है। एजेंसी की ओर से डंपरों व ट्रैक्टरों में बिना ढके कचरे को बाजार से लोगों के बीच से ले जाया जा रहा था। इस अवयवस्था को लेकर 'हरिभूमि समाचार पत्र' में 16 मई को 'एनजीटी के नियमों की नहीं परवाह, शहर से बिना कवर किए गंदगी लेकर गुजर रहे वाहन, सरेआम जलाया जा रहा कचरा' शीर्षक से समाचार प्रकाशित किया गया, जिसके बाद नगर परिषद की सख्ती से एजेंसी ने कचरा वाहनों को ग्रीन कपड़े से कवर करना शुरू कर दिया है। गत 15 मई शुक्रवार सुबह कचरे से भरा बिना कवर किया गया ट्रैक्टर करीब चार घंटे महाराणा प्रताप चौक पर खड़ा होकर दुर्गंध फैलाता रहा। शहर में एनजीटी के आदेशों की सरेआम धज्जियां उड़ाई जा रही है। शहर की ऐसी कोई सड़क नहीं है, जिसके किनारे कचरा व भवन निर्माण का मलबा न पड़ा हो। बाइपास की ग्रीन बेल्ट कचरे से सरोबार हो चुकी है। शहर में कचरा जलाने की भी समस्या आम हो गई है। शहर में डोर-टू-डोर कचरा प्रबंधन का पांच साल के लिए 23.5 करोड़ का टेंडर होने के बाद भी शहर की सफाई व्यवस्था अभी पूरी तरह सुधर नहीं पाई है।

एजेंसी की आदत में सुधार

रेवाड़ी। बुधवार को ट्रैक्टर में कचरे का कवर करके ले जाता चालक।

जीवन में कुछ श्रेष्ठ करना है तो उसके लिए पुरुषार्थ करना होगाः डा. पूनम

रेवाड़ी। पीएम श्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में बुधवार को वीर भगतसिंह युवा दल की ओर से छात्राओं के लिए प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि समाजसेवी डा. पूनम यादव व युवा दल के प्रधान दिनेश कपूर ने कहा कि दुनिया में कुछ भी ऐसा नहीं है जिसे मनुष्य अपनी कर्म साधना से प्राप्त नहीं कर सकता। परंतु जो आलसी होते हैं, वे केवल भाग्य के सहारे बैठे रहते हैं। वे जीवन में कुछ भी नहीं कर पाते। जीवन में कुछ श्रेष्ठ करना है तो उसके लिए पुरुषार्थ करना होगा। बारहवीं कक्षा के परीक्षा परिणाम में जिले की होनहार छात्रा दीपिका ने अपने कठिन परिश्रम के बल पर पूरे प्रदेश में टॉप किया। पुरुषार्थ से ही भाग्योदय होता है। संस्था के संरक्षक अरुण गुप्ता ने

विद्यार्थी जीवन में समय प्रबंधन के बारे में जानकारी दी। स्कूल की प्राचार्या मोनिका यादव ने अतिथियों का स्वागत किया। मंच संचालन संस्कृत अध्यापिका संयोगिता यादव ने किया। संस्था की ओर से मेधावी छात्राओं को उपयोगी साहित्य भेंट किए गए। कार्यक्रम में डा. देवेन्द्र कुमार, हिंदी प्रवक्ता इन्दु बाला, रसायन शास्त्र प्रवक्ता अनिल कुमार, गृहविज्ञान प्रवक्ता पूनम यादव व गणित प्रवक्ता संतोष देवी सहित अनेक शिक्षक मौजूद थे।

अवैध तरीके से रहने वाले संदिग्धों की जांच की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जिला पुलिस व स्वैत टीम ने बुधवार को थाना सदर, जाटूसाना व रोहड़ाई क्षेत्र में अनाधिकृत रूप से रहने वाले रोहिंग्या व बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान के लिए सर्च अभियान चलाया। अभियान के दौरान पुलिस ने ईंट-भट्ठे सहित झुग्गी-झोपड़ियों, होटल, पोल्ट्री फार्म व अन्य स्थानों पर अवैध तरीके से रहने वाले संदिग्ध लोगों की जांच की। पुलिस टीम ने वहां पर रह रहे बाहरी श्रमिकों की भी जानकारी ली तथा उनके पहचान पत्र व वाहनों के कागजातों की जांच की। एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने कहा कि जिले में अनाधिकृत रूप से किसी को भी रहने की छूट नहीं है। जिला पुलिस ने सुरक्षा की दृष्टि से बाहरी लोगों की पहचान के लिए विशेष अभियान चलाया हुआ है और ये अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने सभी थाना प्रबंधकों को अपने-अपने क्षेत्र में सरकार की ओर से जारी आदेशों

के अनुसार अप्रवासी रोहिंग्या व बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान करके उनको वापस भेजने के निर्देश दिए है। एसपी ने जिला वासियों से अपील करते हुए कहा कि सभी अपने पास काम करने वाले या किराए पर रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति की पुलिस वेरिफिकेशन जरूर करा लें। अगर भविष्य में कोई व्यक्ति ऐसा नहीं करता तो उसके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 8291554800

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 1500/- रु. 2000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
रेवाड़ी : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी फोन : 9653537253, 9671434260

आग | बावल की कंपनी में एनडीआरएफ की टीम का सर्च अभियान

आसान नहीं मलबे में मानव खोज, एनडीआरएफ के सामने बड़ी मुश्किलें, मेल्ट हो चुका कंपनी का स्ट्रक्चर

नरेन्द्र वत्स ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। स्ट्रक्चर में लगी आग पर पानी डालते हुए फायर ब्रिगेड तथा कंपनी की ओर जाते हुए एनडीआरएफ के जवान।

अलग खबर

बावल की जीएलएस कंपनी में लगी भीषण आग में कुछ कर्मचारियों के फंसने की आशंका से बठिंडा से बुलाई गई नेशनल डिजास्टर रेस्पोंश फोर्स के लिए भी मलबे में मानव अवशेष की खोज करना मुश्किल बना हुआ है। भीषण आग ने कंपनी के पूरे स्ट्रक्चर को मेल्ट कर दिया है, जिसे हटाना आसान नहीं है। सर्च अभियान के बीच बार-बार केमिकल की आग धधकना टीम की राह में सबसे बड़ी बाधा साबित हो रहा है। इसके बावजूद टीम के जवान अपने काम को अंजाम तक पहुंचाने के लिए भरसक प्रयास कर रहे हैं। कंपनी में आग लगने के बाद स्टेट डिजास्टर रेस्पोंश फोर्स कुछ समय बाद ही पहुंच गई थी। रेजिन केमिकल की आग पर पाना फायर ब्रिगेड के लिए भी बड़ी चुनौती बना रहा। फायर ब्रिगेड को कई जिलों से गाड़ियां बुलानी पड़ीं। केमिकल की आग होने के कारण बाद में राजस्थान के नीमराणा औद्योगिक क्षेत्र से भी फोम से भरी गाड़ी बुलानी पड़ी। रात को करीब 12 बजे आग पर काबू पाया गया, परंतु केमिकल की आग रुक-रुककर सुलगती रही। फायर ब्रिगेड की कुछ गाड़ियों को अभी भी कंपनी परिसर में ही रोका हुआ है। आग के बार-बार सुलगते ही उस पर फोम और पानी डाला जा रहा है। इसके बावजूद आग कभी भी सुलगनी शुरू हो जाती है। आसपास की जमीन का तापमान तक काफी बढ़ा हुआ है, जिसके आसपास भी जाना मुश्किल बना हुआ है। कंपनी के कुछ कर्मचारियों के फंसे होने की आशंका को देखते ही प्रशासन को बठिंडा से एनडीआरएफ की टीम बुलानी पड़ी।

मेल्ट होकर मेटल हो चुकी भारी

एनडीआरएफ सूत्रों अनुसार केमिकल की आग ने कंपनी के मेटर स्ट्रक्चर को पूरी तरह मेल्ट कर दिया है। यह स्ट्रक्चर पिंघलने के बाद इकट्ठा होकर भारी भरकम हो चुका है। मेटर अभी भी काफी गर्म है। इसे हटाने के लिए पोपलिन और जेसीबी मशीनें लगाई हुई हैं। इसके बावजूद भारी भरकम मेटल को हटाने में दिक्कतें आ रही हैं।

मेटल को छेड़ते ही सुलगती आग

मेटल को हटाने के प्रयास शुरू करते ही आग फिर से सुलगने लगती है। इसके बाद मशीनों को हटाकर आग बुझाने का प्रयास किया जाता है। कंपनी के बायलर तक मेल्ट हो चुके हैं, जो काफी भारी-भरकम हैं। सबसे पहले स्ट्रक्चर को हटाने के प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि उसके नीचे की वस्तुस्थिति का पता लगाया जा सके।

बेहतर विकल्पों से कर रहे प्रयास

इस समय हमारी टीम को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। मेल्ट हुए स्ट्रक्चर को हटवाने में ही परेशानी आ रही है। बार-बार आग सुलगने से सर्च अभियान गति नहीं पकड़ पा रहा है। इसके बावजूद टीम हर बेहतर विकल्प अपनाते हुए कार्य कर रही है।

-इंस्पेक्टर विकेश यादव, इंचार्ज एनडीआरएफ टीम।